## खबर संक्षेप

### मैहर रोपवे धांधली: अमानत में खयानत करने वालों को माई नहीं बख्शेगी

**मैहर।** जनपद उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी ने मैहर देवीधाम में संचालित रोपवे द्वारा की जा रही कथित धांधली पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा कि मां शारदा का धाम एक पवित्र शक्तिपीठ है और यहाँ अधर्म की कमाई करने वालों को माता कभी नहीं बख्शतीं। सोशल मीडिया पर सामने आए टिकटों की गड़बड़ी और फॉर्च्यूनर कांड के मामलों को गंभीर बताते हुए उन्होंने जिला कलेक्टर की निगरानी में जांच की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर द्वारा रोपवे प्रबंधन को जारी किए गए नोटिस की सराहना की और कहा कि इस खेल की एक-एक परत उखाड़ी जानी चाहिए।

### सिर्फ नाम का रह गया मैहर का रैन बसेरा, व्यवस्थाएं बदहाल

**मैहर।** रेलवे स्टेशन के सामने जरूरतमंद यात्रियों और राहगीरों के लिए बनाए गए रैन बसेरा की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों का आरोप है कि पिछले 5 वर्षों से खरीदी,रखरखाव और सुविधाओं के नाम पर लगातार बजट तो खर्च दिखाया जा रहा है,लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं पूरी तरह बदहाल हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि व्यवस्थाएं केवल कागजों पर ही संचालित हो रही हैं।नागरिकों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि पिछले 5 वर्षों में हुई खरीदी और खर्च की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही वित्तीय अनियमितता या लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई कर मूलभूत सुविधाओं को तत्काल सुधारा जाए।

### दवा विक्रेता संघ के बंद आह्वान में अग्रवाल समाज का पुरजोर समर्थन

**सतना।** ऑल इंडिया केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसियेशन द्वारा प्रस्तावित आगामी 20 मई को पूरे भारत में दवाई दुकानों के बंद के आह्वान के समर्थन में आपातकालीन बैठक का आयोजन अग्रवाल नवयुवक मण्डल (अग्रवाल समाज),सतना के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। समाज के प्रवक्ता सौरभ अग्रवाल ने बताया कि उक्त बैठक में अग्रवाल समाज के पदाधिकारी,कार्यकारिणी,दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। संघ द्वारा अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुये बताया गया कि ऑन लाइन कंपनी ग्राहकों को लुभाने के लिये ज्यादा फायदे का दावा कर रही है,जो कि एक दवाई दुकानदार की खरीदी मूल्य से भी कम होता है। ज्यादा डिस्काउंट देने की वजह से एक खतरा यह भी उत्पन्न हो रहा है कि उक्त दवाई नकली तो नहीं है।ऑनलाइन दवा बिक्री से ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के छोटे केमिस्टों का व्यापार बंद की कगार पर आ गया है। 20 मई को बाइक रैली निकाली जायेगी जो सुबह 11 बजे अस्पताल चौक से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुये कलेक्ट्रेट पहुंचेगी,जहां कलेक्टर महोदय को संघ की मांगों का ज्ञापन सौंपा जायेगा।

### भीषण गर्मी को देखते हुए मैहर में निःशुल्क प्याऊ खोलने की मांग

**सतना।** भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री मनोज शुक्ला ने मैहर नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी से शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर तत्काल निःशुल्क प्याऊ और ठंडे पानी की व्यवस्था करने की मांग की है। श्री शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है,इसके बावजूद मैहर के प्रमुख स्थलों जैसे सिविल अस्पताल व बस स्टैंड जनपद कार्यालय व कलेक्ट्रेट परिसर सब्जी मंडी,गल्ला मंडी व घंटाघर स्टेट बैंक चौराहा,रेलवे स्टेशन और ऑटो स्टैंड इन सभी भीड़-भाड़ वाले महत्वपूर्ण स्थानों पर आम जनता के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका के सभी 24 पार्षदों,जनप्रतिनिधियों,व्यापारियों और स्वयंसेवी संस्थाओं का यह दायित्व है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों और कार्यालयों के सामने सार्वजनिक प्याऊ संचालित करवाएं ताकि राहगीरों और मजदूरों को राहत मिल सके।

## अफसरों की नाक के नीचे अवैध वेंडरिंग का काला खेल

# पश्चिम मध्य रेलवे में 'अंधेर नगरी चौपट राजा'

### यात्रियों की सेहत से खिलवाड़ कर चांदी काट रहे बिना लाइसेंस वाले माफिया!

सतना।

पश्चिम मध्य रेलवे के दावों और यात्रियों की सुरक्षा के ढोल की पोल एक बार फिर खुल गई है। स्टेशन से लेकर धड़धड़ाती ट्रेनों के भीतर तक,बिना लाइसेंस के अवैध वेंडरिंग का धंधा पूरी रफ्तार से फल-फूल रहा है। आलम यह है कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे अवैध वेंडर बेधड़क घूम रहे हैं और यात्रियों को घटिया,अमानक खाद्य सामग्री परोस रहे हैं। इस पूरे खेल में रेलवे के आला अधिकारियों और चेकिंग स्टाफ की भूमिका पूरी तरह से संदिग्ध नजर आ रही है।

#### लाइसेंस गायब, फिर भी ट्रेनों में 'कब्जा'

नियमों के मुताबिक,ट्रेनों में केवल आईआरसीटीसी या रेलवे से अधिकृत वेंडर ही सामान बेच सकते हैं। लेकिन पश्चिम मध्य रेलवे के मंडलों में नियम-कायदों को ताक पर रख दिया गया है। बिना किसी वैध लाइसेंस या मेडिकल सर्टिफिकेट के,सैकड़ों की तादाद में अवैध वेंडर ट्रेनों के भीतर घुसकर धड़ल्ले से खाने-पीने की चीजें बेच रहे हैं। न तो इनके पास कोई पहचान पत्र है और न ही इस बात की कोई गारंटी कि जो खाना ये बेच रहे हैं, वह खाने लायक है भी या नहीं।

#### यात्रियों की सेहत और सुरक्षा दोनों दांव पर

बिना ढके,धूल-मिट्टी से सने और घटिया तेल-मसालों से बने इस खाने को खाकर यात्री लगातार पेट की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

#### सुरक्षा में भारी चूकः

बिना किसी बैकग्राउंड वेरिफिकेशन के ट्रेनों में घूम रहे ये अवैध वेंडर यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा हैं। ट्रेन में चोरी और झपटमारी की वारदातों के पीछे भी कई बार इन अनाधिकृत तत्वों का हाथ होने की आशंका रहती है।

#### आखिर किसकी शह पर चल रहा है यह 'सिंडिकेट'?

यह सोचना बचकाना होगा कि रेलवे सुरक्षा बल,कमर्शियल विभाग और विजिलेंस की

मौजूदगी में इतना बड़ा नेटवर्क बिना किसी 'आशीर्वाद' के चल सकता है। सूत्रों की मानें तो यह महज वेंडरिंग नहीं,बल्कि एक संगठित सिंडिकेट है,जिसे रेलवे के कुछ रसूखदार अधिकारियों और कर्मचारियों का सीधा मूक समर्थन प्राप्त है। जब कभी चेकिंग का दिखावा होता है,तो इन वेंडरों को पहले ही भनक लग जाती है,जो अधिकारियों की मिलीभगत की ओर साफ इशारा करता है। बड़ा सवाल यह है कि क्या यात्रियों की जेब काटने और उनकी सेहत को खतरे में डालने के बदले मोटी 'कमीशन' ऊपर तक पहुंच रही है? आखिर क्यों इन अवैध वेंडरों पर कोई सख्त और स्थाई कार्रवाई नहीं होती?

#### अधिकारियों की चुप्पी साध रही है मिलीभगत की गवाही

इस पूरे मामले पर जब भी पश्चिम मध्य रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों से बात करने की कोशिश की जाती है,तो वे कार्रवाई चल रही है या जल्द ही सख्त कदम उठाए जाएंगे जैसे रटे-रटाए बयानों के पीछे छिप जाते हैं। लेकिन जमीन पर हकीकत जस की तस बनी हुई है।

# 'सूर्यदेव' का तांडवः पारा @44.8 डिग्री, भीषण गर्मी से झुलसे लोग

सतना।

प्रदेश के साथ-साथ सतना जिले में भी मौसम के मिजाज तल्ख बने हुए हैं। सूर्यदेव के तीखे तेवरों के कारण पूरा जिला भीषण गर्मी की चपेट में है। सोमवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया,जहां अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। दोपहर के समय हालात यह थे कि मुख्य बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसर गया और लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए। जरुरत पड़ने पर ही लोग घरों से बाहर निकले।

#### रात में भी राहत नहीं, न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री

मौसम विभाग के अनुसार,केवल दिन ही नहीं बल्कि रातें भी तपने लगी हैं। जिले का न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया,जिससे रात के समय भी लोगों को उमस और गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

#### अंधड़ जैसी सूखी हवाओं ने बढ़ाई मुश्किल

गर्मी के साथ-साथ हवा में नमी की भारी कमी दर्ज की गई है। सुबह के समय हवा में आर्द्रता 28 प्रतिशत थी,जो दोपहर होते-होते घटकर महज 13 प्रतिशत रह गई। हवा में नमी कम होने के कारण चल रही सूखी और गर्म हवाओं (लू) ने लोगों को बेहाल कर दिया।

#### मौसम विभाग की चेतावनी

आने वाले दो-तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बीच बिना जरूरी काम के घरों से बाहर न निकलने और लगातार पानी पीते रहने की सलाह दी गई है।

# सतना में यातायात भगवान भरोसे, 4 लाख की आबादी पर सिर्फ 20 जवान, जाम में घुट रहा शहर

सतना।

शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ चुकी है। सोमवार को सर्किट हाउस से सिविल लाइन के बीच बने ओवरब्रिज पर लगा भीषण जाम इसका जीता-जागता सबूत है। हालात इस कदर बदतर हैं कि कारगिल तिराहे से लेकर सोहावल मोड़ तक गाड़ियां रेंगती नजर आईं। सड़कों पर जिसे जहां जगह मिल रही है,वो वहीं अपनी गाड़ी पार्क कर रफूचक्कर हो जा रहा है,लेकिन इन्हें रोकने-टोकने वाला कोई नहीं है।

#### आबादी 4 लाख,ट्रैफिक जवान सिर्फ 20!

हैरानी की बात यह है कि करीब 4लाख की आबादी वाले इस शहर को संभालने के लिए यातायात पुलिस के पास महज 20 जवान हैं।अब ये चंद जवान इतनी बड़ी आबादी के बीच कहां और क्या ड्यूटी कर रहे हैं, इसका जवाब सिर्फ जिम्मेदार अधिकारी ही दे

सकते हैं। कायदे से सतना में ट्रैफिक प्वाइंट बढ़ाए जाने चाहिए थे,लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पुराने प्वाइंट भी घटकर आधे रह गए हैं। बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम ने यातायात पुलिस को सड़कों से अवैध पार्किंग हटाने और जाम खुलवाने के लिए एक विशेष टीम सौंपी थी। लेकिन उस टीम का इस्तेमाल कोठी तिराहे पर सिर्फ हेलमेट चेकिंग और चालान काटने के लिए वाहन पकड़ने में किया जा रहा है। क्या पुलिस की प्राथमिकता जाम से जनता को राहत देना है या सिर्फ चालान का कोटा पूरा करना?

#### चार पहिया लायक नहीं बचीं सड़कें

शहर के जो हालात हैं,उसे देखकर अब लोग यह कहने को मजबूर हैं कि सतना के मार्ग अब चार पहिया वाहनों के लायक बचे ही नहीं हैं। अगर सुरक्षित और समय पर पहुंचना है,तो दो पहिया वाहन ही एकमात्र विकल्प है। अगर प्रशासन ने जल्द ही अवैध पार्किंग के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए और ट्रैफिक प्वाइंट्स नहीं बढ़ाए,तो शहर की रफ्तार पूरी तरह थम जाएगी। जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद से जागें,इससे पहले कि जनता का सब्र टूट जाए।

# ग्राम बठिया में अवैध ब्लास्टिंग और उत्खनन से ग्रामीण परेशान

मैहर।

जिले के ग्राम बठिया में चल रहे अवैध उत्खनन और ब्लास्टिंग के कारण स्थानीय ग्रामीणों का जीना दुश्वार हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिला प्रशासन को कई बार शिकायत करने के बावजूद सेटिंग के कारण आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। कथित तौर पर छोटू द्विवेदी द्वारा 'भूमिजा क्रेशर' के संचालन के साथ इस अवैध खनन को अंजाम दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार,यह उत्खनन सरस्वती खदान के पास स्थित भूमि पर हो रहा है,जो पीयूष जैन के नाम पर दर्ज है। दिन-रात भारी मशीनों से खुदाई कर शासन को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि खदान अवैध है,तो वहां बिना लाइसेंस और सुरक्षा मानकों के भारी विस्फोटक किसकी अनुमति से पहुंच रहे हैं? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने,अवैध उत्खनन रोकने और इसके पीछे के संरक्षकों को बेनकाब करने की मांग की है।

#### प्रशासन के संरक्षण के लग रहे आरोप, बिना लाइसेंस के हो रहा विस्फोटकों का इस्तेमाल

# पुरुषोत्तम मास का पहला सोमवार: गैविनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब सुबह से लगीं रहीं लंबी कतारें, प्रशासन ने जलधारी से कराई अभिषेक की व्यवस्था

सतना।

पवित्र पुरुषोत्तम मास के पहले सोमवार को सतना जिले के सुप्रसिद्ध और प्राचीन गैविनाथ धाम में शिव भक्तों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। तड़के ही मंदिर परिसर भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। दूर-दराज के अंचलों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव के दर्शन किए और पुण्य लाभ कमाया।

#### जलधारी से कराया जा रहा अभिषेक,सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अत्यधिक भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और मंदिर समिति द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाए रखने के लिए रविवार और सोमवार को श्रद्धालुओं के लिए जलधारी के माध्यम से अभिषेक करने की विशेष व्यवस्था लागू की गई। प्रशासन के अनुसार, मंगलवार से शनिवार तक भक्तों को गर्भगृह में जाने की अनुमति रहेगी,जहाँ वे शिवलिंग को स्पर्श कर स्वयं अभिषेक कर सकेंगे। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन,पुलिस बल और स्वास्थ्य विभाग की टीमें पूरे समय मंदिर परिसर में मुस्तैद रहीं।

#### पुरुषोत्तम मास का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,इस विशेष माह को स्वयं भगवान विष्णु ने अपना नाम दिया है,जिसके कारण इसे 'प्रदोष' या 'मलमास' के साथ-साथ 'पुरुषोत्तम मास' भी कहा जाता है। माना जाता है कि इस पवित्र महीने में किए गए पूजा-पाठ,व्रत,जप और दान का फल सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक मिलता है। हालांकि,इस पूरे माह में सभी प्रकार के मांगलिक कार्यों पर पूर्णतः प्रतिबंध रहता है।

#### बिरसिंहपुर मेले में चरमराई पार्किंग व्यवस्था, लगा भारी जाम

बिरसिंहपुर में चल रहे पुरुषोत्तम मास मेले के दौरान पार्किंग व्यवस्था पूरी तरह फेल हो गई। बड़े गेट से सितावा नदी पुल तक सड़क पर सजी दुकानों और बेतरतीब बाइक पार्किंग के कारण भारी जाम लगा रहा,जिससे श्रद्धालु पैदल चलने को भी मोहताज हो गए। आरोप है कि पार्किंग के ठेकेदार निर्धारित जगहों के बजाय पैसे लेकर वाहनों को कहीं भी खड़ा करवा रहे थे। काफी देर तक पुलिस के नदारद रहने के बाद,सभापुर थाना प्रभारी शंखधर द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया और पार्किंग कर्मियों को सख्त हिदायत दी।

### मैहर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ

**मैहर।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार,मैहर के मधुबन होटल में दो दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी ध्वजारोहण,पदाधिकारियों के डिजिटल पंजीकरण और मातृशक्ति द्वारा तिलक वंदन के साथ हुई।

**प्रमुख अतिथियों की उपस्थितिः** - मंच पर रीवा संभागीय संगठन प्रभारी विजय दुबे,जिला संगठन प्रभारी नंदिता पाठक,विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी,भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने,पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

**प्रशिक्षण सत्रों का विवरणः** - प्रथम सत्रः मुख्य वक्ता विजय दुबे ने 'वैचारिक अधिष्ठान' विषय पर प्रकाश डाला।

द्वितीय सत्रः सीधी सांसद राजेश मिश्रा ने 'राष्ट्र के सामने चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया। नरेंद्र त्रिपाठी ने 'कार्यकर्ताओं का विकास एवं दायित्व' पर उद्बोधन दिया।

**चतुर्थ सत्रः रवींद्र चौहान ने 'कार्य पद्धति' के संदर्भ में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया**- पंचम सत्रः धवनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

छठवां सत्रः जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल ने 'भाजपा के कार्य विस्तार' पर चर्चा की।

सप्तम सत्रः प्रदेश उपाध्यक्ष नंदिता पाठक और विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के सानिध्य में व्यावहारिक सत्र का आयोजन हुआ,जिसमें समूहों के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

### मैहर में बारात घर के पास मिला अज्ञात शव

**मैहर।** कटनी रोड स्थित बारात घर के पास,मातेश्वरी ट्रेडर्स के सामने एक अज्ञात पुरुष का शव मिला है। पुलिस मौके पर पहुंचकर शिनाख्त का प्रयास कर रही है। मृतक के हाथ में पीला,गले में सफेद धागा और मेहंदी रंग का लोवर है। पहचान होने पर तुरंत कोतवाली मैहर पुलिस को सूचित करें।

## खबर संक्षेप

### देवेंद्रनगर-ककरहटी प्रधानमंत्री सड़क बदहाल, गड्ढों और धूल से वार्डवासी परेशान



**देवेंद्रनगर।** प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनाई गई देवेंद्रनगर से ककरहटी को जोड़ने वाली मुख्य सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। वहीं सड़क की मरम्मत न होने से उड़ रही धूल के गुबार ने आसपास के वार्डवासियों का जीना मुश्किल कर दिया है। यह सड़क कृषि उपज मंडी देवेंद्रनगर के पास से होकर गुजरती है और क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। भारी वाहनों और लगातार आवागमन के चलते सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। गड्ढों के कारण वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं, जबकि राहगीरों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की हालत लंबे समय से खराब है, लेकिन प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारी और जिम्मेदार कर्मचारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क पर उड़ रही धूल से आसपास के वार्डों में रहने वाले लोगों को सांस संबंधी और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बना हुआ है। वार्डवासियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। लोगों ने पन्ना कलेक्टर से जल्द सड़क की मरम्मत कराने, गड्ढे भरवाने और धूल से राहत दिलाने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

### रेलवे परियोजना में रोजगार के वादों पर उठे सवाल, प्रभावित परिवारों में बढ़ रही नाराजगी

**पन्ना।** ललितपुर सिंगरौली रेलवे परियोजना से प्रभावित ग्रामीण परिवारों ने वर्षों बाद भी रोजगार और पुनर्वास के वादे पूरे नहीं होने पर गहरी नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई जमीन केवल खेती का साधन नहीं थी, बल्कि परिवारों के भविष्य, बच्चों की पढ़ाई और आजीविका की एकमात्र उम्मीद भी थी। प्रभावित परिवारों के अनुसार कई लोगों ने अपना एकमात्र खेत रेलवे परियोजना के लिए दे दिया। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद थी कि बदले में मिलने वाली नौकरी उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बदल देगी और आने वाले समय में स्थायी सहारा बनेगी। लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी अनेक परिवार रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भले ही कुछ लोगों को मुआवजा राशि मिली हो, लेकिन स्थायी रोजगार की कमी आज भी बड़ी समस्या बनी हुई है। कई परिवारों पर कर्ज का बोझ है और रोजगार के अभाव में आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि अधिग्रहण के दौरान किए गए कई आश्वासन अब केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। पन्ना जिले से जुड़े ग्रामीणों ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि परियोजना प्रभावित लोगों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से रोजगार के अवसर नहीं दिए गए, तो यह केवल कुछ परिवारों की समस्या नहीं रहेगी बल्कि सामाजिक न्याय और विस्थापन से जुड़े बड़े मुद्दे का रूप ले सकती है।

**आरोपी द्वारा पन्ना जिला सहित दमोह, कटनी, जबलपुर जिले के 10 से अधिक फरियादियों के साथ ठगी की घटना किया जाना किया गया स्वीकार**

# पन्ना पुलिस द्वारा सिमरिया थाना अन्तर्गत मार्कशीट पर लोन दिलाने एवं नौकरी दिलाने के नाम फरियादियों के साथ 10 लाख 79 हजार रुपये की ठगी करने वाले ठग को ग्राम ननौरा महोबा उत्तर प्रदेश से किया गया गिरफ्तार



### आरोपी के कब्जे से 03 लाख नगदी सहित 01 सोने की अंगूठी, घटना मे प्रयुक्त 02 मोबाइल फोन, फर्जी आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज किये गये जप्त

**पन्ना।** पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर सिमरिया पुलिस टीम द्वारा मार्कशीट पर 60ः छूट (सब्सिडी) पर लोन दिलाने एवं महिला बाल विकास विभाग मे नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले शातिर ठग को ग्राम ननौरा महोबा उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से ठगी गई राशि 03 लाख जप्त किये गये है। मामले मे फरियादी बृन्दावन प्रजापति ग्राम बारी ने ग्राम नादन के विनोद कुमार प्रजापति एवं विवेक गुप्ता के साथ दिनांक 09.05.26 को थाना उपस्थित आकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया की धीरेन्द्र सिंह ठाकुर पिता गजराज सिंह नाम का व्यक्ति निवासी छतरपुर द्वारा प्राथी बृन्दावन प्रजापति को मार्कशीट पर लोन देने एवं विवेक गुप्ता एवं विनोद प्रजापति को नौकरी लगाने का झांसा देकर धोखाधडी छल कपट कर कुल 10 लाख 79 हजार रूपये नगद एवं विभिन्न कियोस्क वालो के फोन पे के माध्यम से ले लिया है। मामले में प्रथम दृष्टया अपराध धारा 318 (4), 336 (3) बी एन एस का घटित होना पाये जाने से अपराध सदर कायम कर विवेचना मे लिया गया एवं घटना की जानकारी थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुये पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान एवं एस.डी.ओ.पी. पवई भावना दांगी के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी सिमरिया के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन किया गया एवं तकनीक सहायता हेतु सायबर सेल टीम पन्ना को निर्देशित किया गया । गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा मामले की गहन जांच की गई जिसमे पाया की प्रार्थी बृन्दावन प्रजापति करीब 09 माह पहले काम से पटेरा गया था जो हटा तिराहा पर उसे धीरेन्द्र सिंह ठाकुर नाम का व्यक्ति मिला और फरियादी से कहने लगा कि मैं तुम्हे मार्कशीट पर 20 लाख रूपये लोन दिला दूंगा जिसमे 60ः छूट रहेगी कुल 8 लाख रूपये देने पडेगे ब्याज भी कम लगेगा उसके लिये कुछ स्टाम्प भी बनवाने पडेगे तथा फाईल का चार्ज एवं कुटेसन का पैसा लगेगा तथा मैंनेजर को 10ः देना पडेगा तब फरियादी लोन लेने के लिये राजी हो गया एवं उन दोनो की बातचीत होने लगी। तब आरोपी द्वारा फाईल तैयार करने, अन्य चार्ज एवं कमीशन बता कर फरियादी वृन्दावन प्रजापती से कुल 494000 ले लिये थे एवं ग्राम नादन के विनोद कुमार प्रजापति को नौकरी दिलाने का झांसा देकर कुल 150000 ले लिये एवं उसको स्पीड पोस्ट के माध्यम से महिला बाल विकास मे नौकरी लगने ज्वॉनिंग लेटर एवं दस्तावेज सत्यापन कराने सम्बंधी पत्र भेजा गया एवं ग्राम नादन के ही विवेक गुप्ता से कुल 435000 नौकरी दिलाने के नाम पर ले लिया है इस प्रकार धीरेन्द्र सिंह ठाकुर नाम के व्यक्ति द्वारा लोन दिलाने एवं नौकरी दिलाने के बहाने से फरियादियो के साथ धोखाधड़ी कर कुल 1079000 छल कपट कर नगद एवं फोन पे के माध्यम से ठगी की जाना पाया गया। पुलिस जांच मे पाया गया की आरोपी शातिर प्रवृत्ति का है जिसके द्वारा फर्जी नाम एवं फर्जी आधार कार्ड का उपयोग किया गया है एवं रुपयो का लेनदेन नगद या तो आसपास के कियोस्क के खातो मे फोन पे के माध्यम से डलवा कर वहां से नगदी प्राप्त की गई है साथ ही किसी अन्य व्यक्तियो के नाम के सिम कार्ड का उपयोग किया गया है। मामले में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास के एवं सम्बंधित बैंको के सी.सी.टी.व्ही फुटेज खंगाले गये एवं सम्बंधित ट्रान्जेक्शन की गहन जांच की गई साथ हि आसपास के क्षेत्रो मे समान हुलिया के व्यक्ति की खोज हेतु मुखविर सक्रिय किये गये एवं सायबर सेल पन्ना द्वारा तकनीकि सहायता ली गई जिसके फलस्वरूप उक्त व्यक्ति की पहचान महेश चन्द्र पिता छिद्दी लाल खटीक उम्र 42 साल मूल निवास ग्राम ननौरा थाना श्रीनगर जिला महोबा (उ.प्र.), हाल खटक्याना मोहल्ला छतरपुर एवं एमएलबी स्कूल के पास हटा थाना हटा जिला दमोह का होना पाया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये उक्त आरोपी को ग्राम ननौरा थाना श्रीनगर महोबा उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। मामले की पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया जिसके कब्जे से 03 लाख नगदी सहित फर्जी आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज जप्त किये गये है। उक्त आरोपी द्वारा दमोह जिले के हटा, मगरौंन, पटेरा थाना क्षेत्र एवं कटनी, जबलपुर के अन्य कई व्यक्तियों के साथ इस प्रकार की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया है।



#### गिरफ्तार आरोपी-

महेश चन्द्र उर्फ धीरेन्द्र सिह पिता छिद्दी लाल खटीक उम्र 42 साल मूल निवास ग्राम ननौरा थाना श्रीनगर जिला महोबा (उ.प्र.) हाल खटक्याना मोहल्ला छतरपुर एवं एमएलबी स्कूल के पास हटा थाना हटा जिला दमोह

#### जप्त सामग्री-

पुलिस टीम द्वारा 03 लाख नगदी , वीवो कंपनी के दो स्मार्ट फोन , एक सोने की अंगूठी कीमती 50000 रूपये , दो आधार कार्ड जिसमे से एक अभियुक्त महेन्द्र चन्द्र के नाम का व दूसरा फर्जी धीरेन्द्र सिह पिता गजराज सिह के नाम का ,एक अभियुक्त की पत्नि की बैंक खाता पासबुक, फरियादी के पास से फर्जी ज्वॉनिंग लेटर सहित कुल मशरूका 03 लाख 60 हजार रूपये का जप्त किया गया है।

#### सराहनीय योगदान-

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सिमरिया निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री, उ.नि. योगेन्द्र गायकवाड, जे.पी. अहिरवार, प्र.आर. गजेन्द्र, आर. सुशील मिश्रा, नवीन चौरसिया, नीतेश असाटी एवं सायवर सेल टीम पन्ना की सराहनीय भूमिका रही।

# किसान के खेत में मिला दुर्लभ प्रजाति का भारतीय तारा कछुआ, सुरक्षित रूप से वन विभाग को सौंपा





**पन्ना।** उत्तर वन मंडल पन्ना के बीट देवेंद्रनगर के वार्ड क्रमांक 12 निवासी महेंद्र प्रजापति के खेत में एक अत्यंत दुर्लभ प्रजाति का कछुआ दिखाई दिया। यह प्रजाति भारतीय तारा कछुआ के नाम से जानी जाती है। जो कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत संरक्षित और संकटग्रस्त प्रजाति हैं। महेंद्र प्रजापति ने इसकी सूचना सीबीएमओ डॉ अभिषेक जैन को दी गई। जिसकी सूचना वन विभाग के बीट प्रभारी शारदा प्रसाद राय को दी गई। वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और विधिवत पंचनामा तैयार कर कछुए को अपने संरक्षण में लिया। गौरतलब हैं कि भारतीय तारा कछुआ भारत में पाया जाने वाला एक बेहद सुंदर कछुआ है, जिसकी पीठ पर तारे जैसी पीली धारियाँ बनी होती हैं। इसी वजह से इसे "स्टार टॉर्टॉइज़" कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम जियोकलोंन एलिगेंस हैं। एवं इसका आवास सूखे घास के मैदान, झाड़ीदार क्षेत्र और जंगल हैं। भारत में पाए जाने वाले क्षेत्र मध्य भारत, दक्षिण भारत और राजस्थान के कुछ हिस्से हैं। एवं इनका भोजन घास, पत्तियाँ, फल और फूल हैं। एवं इनकी आयु लगभग 30द्50 वर्ष तक जीवित रह सकता है। इसकी खास बातें।इसकी खोल पर बना तारे जैसा डिजाइन इसे बहुत आकर्षक बनाता है। यह शांत स्वभाव का होता है और धीरे चलता है।अवैध तस्करी के कारण इसकी संख्या घट रही है। संरक्षण इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन आफ नेचर के अनुसार यह प्रजाति संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है। भारत में वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत इसे सुरक्षा प्राप्त है। इस कार्रवाई में बीट प्रभारी शारदा प्रसाद राय,वन सुरक्षा श्रमिक रघुवीर सिंह,विश्राम सिंह,राजेश यादव,रामसिंह एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

#### इनका कहना हैं-

यदि किसी भी स्थान पर दुर्लभ या जंगली प्राणी दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत वन विभाग को देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।इससे न केवल वन्यजीवों का जीवन सुरक्षित होता है बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित होता है। महेंद्र प्रजापति के द्वारा एक संकटग्रस्त जीव का जीवन सुरक्षित किया गया।

**-डॉ अभिषेक जैन**
**सीबीएमओ देवेंद्रनगर**

-वन विभाग को सूचना मिली थी कि एक दुर्लभ कछुआ खेत पर मिला हैं। मौके पर वन विभाग के स्टॉफ को भेजकर संरक्षित प्रजाति के कछुए को संरक्षण में लिया गया।

**शुभम तिवारी**
**वन परिक्षेत्राधिकारी देवेंद्रनगर**

**ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित करने वाले आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल व वर्चुअल क्वाइन जप्त**

# पन्ना पुलिस ने की आईपीएल सट्टा खिलाने वाले सटोरियों पर बड़ी कार्यवाही

**पन्ना।** पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी पन्ना एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा के नेतृत्व में थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित कर आईपीएल सट्टा खिलाने वाले सटोरियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 17.05.2026 को थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि आयुष शर्मा एवं अमान खान मोबाइल फोन के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट मैच में हार-जीत का दांव लगाकर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना पर गठित पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई तथा आरोपियों से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपीगण ऑनलाइन आईपीएल मैच दिल्ली कैपिटल्स बनाम राजस्थान रॉयल्स पर क्वाइन खरीदकर हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा खिलाते पाए गए। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे आनंद जड़िया निवासी पन्ना से




आईपीएल सट्टा संचालन हेतु आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करते थे तथा उसे 30 प्रतिशत कमीशन देते थे। पुलिस द्वारा आरोपीगण के कब्जे से एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन कीमती लगभग 4000/- एवं एक मोटरोला कंपनी का मोबाइल फोन कीमती लगभग 4000/- सहित कुल 4700/- के वर्चुअल क्वाइन (एक क्वाइन की कीमत 1/- ) जप्त किए गए। मामला संगठित अपराध से संबंधित पाए जाने पर आरोपीगण को गिरफ्तार कर थाना कोतवाली पन्ना में अपराध क्रमांक 325/26 धारा 112(2) बीएनएस एवं 4(ए) सट्टा अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है ।

**गिरफ्तार आरोपी-**

आयुष शर्मा पिता हरि शर्मा, उम्र 22 वर्ष, निवासी पुरुषोत्तमपुर, थाना कोतवाली पन्ना, जिला पन्ना (म.प्र.), अमान खान पिता रमजान खान, उम्र 22 वर्ष, निवासी धाम मोहल्ला पन्ना, थाना कोतवाली पन्ना, जिला पन्ना (म.प्र.) फरार आरोपी में आनंद जड़िया निवासी पन्ना

#### जप्त मशरूका-

ऽ दो अदद मोबाइल फोन कुल कीमती 8000/- 4700/- के वर्चुअल क्वाइन

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित मिश्रा, प्र.आर. वृषकेतु रावत, आरक्षक आइमात सेन, खेमचन्द्र राय, अशोक सिंह, प्रसंग मिश्रा, महेन्द्र चढार, लक्ष्मीनारायण, म.आर. द्रोपती पटेल तथा सायबर सेल पन्ना की टीम सराहनीय भूमिका रही।

# केन नदी से जेके सीमेंट प्लांट को जल आपूर्ति रोकने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



**पन्ना।** जिले में जारी भीषण जल संकट के बीच केन नदी से औद्योगिक उपयोग हेतु पानी उठाए जाने के मामले को लेकर समाजसेवी अंकित पाठक ने कलेक्टर पन्ना को ज्ञापन सौंपकर तत्काल जांच एवं कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि हरदुआ क्षेत्र स्थित केन नदी पर बने इंटेकवेल के माध्यम से जेके सीमेंट प्लांट को लगातार बड़े पैमाने पर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि जिला प्रशासन पहले ही पूरे जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर चुका है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जिला प्रशासन द्वारा मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-3 के तहत 16 मार्च 2026 से 20 जुलाई 2026 तक जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक जल स्त्रोतों से पेयजल के अतिरिक्त अन्य उपयोगों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद निजी उद्योग को निरंतर जल आपूर्ति किया जाना जनहित और प्रशासनिक आदेशों के विपरीत बताया गया है। समाजसेवी अंकित पाठक ने कहा कि जिले के कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं तथा लोगों को टैंकरों से पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे समय में केन नदी से प्रतिदिन भारी मात्रा में औद्योगिक उपयोग के लिए पानी उठाया जाना गंभीर चिंता का विषय है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि जनसुनवाई एवं पर्यावरणीय स्वीकृति के दौरान उद्योग द्वारा वैकल्पिक जल भंडारण व्यवस्था विकसित करने की बात कही गई थी तथा नदी-नालों के जल का उपयोग नहीं किए जाने का आश्वासन दिया गया था। यदि इसके विपरीत सीधे केन नदी से पानी लिया जा रहा है, तो इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

मामले को वन्यजीव संरक्षण से भी जोड़ा गया है। ज्ञापन में बताया गया कि हरदुआ क्षेत्र के आगे केन नदी का हिस्सा पन्ना टाइगर रिजर्व से जुड़ता है, जो बाघों सहित अनेक वन्यप्राणियों का प्रमुख प्राकृतिक जल स्त्रोत है। भीषण गर्मी के दौरान नदी के जल का बड़े स्तर पर औद्योगिक दोहन वन्यजीवों एवं पर्यावरणीय संतुलन के लिए खतरा बन सकता है। ज्ञापन के माध्यम से केन नदी से जेके सीमेंट प्लांट को दी जा रही जल आपूर्ति की तत्काल जांच, जल अभावग्रस्त अवधि में औद्योगिक उपयोग पर रोक, कंपनी को दी गई स्वीकृतियों की सार्वजनिक समीक्षा तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि शीघ्र उचित कार्यवाही नहीं हुई तो मामले को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) सहित अन्य सक्षम मंचों तक ले जाया जाएगा।

# बाईपास सिर्फ कागजों में? गुन्नौर में नो-एंट्री तार-तार, भारी वाहनों के प्रवेश से थम रहीं सांसें, नगर परिषद मौन

**पन्ना।** गुन्नौर नगर में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ चुकी है। बाईपास रोड बनने के बाद जनता ने राहत की सांस ली थी, लेकिन हकीकत इसके उलट है। बाईपास होने के बावजूद 10-चक्का और 12-चक्का जैसे भारी-भरकम ट्रक धड़ल्ले से नगर के बीचों-बीच मुख्य बाज़ारों से होकर गुजर रहे हैं। आलम यह है कि दिन हो या रात, गुन्नौर में जाम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस अव्यवस्था को लेकर स्थानीय जनता और व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

#### नियमों की धज्जियां उड़ा रहे भारी वाहन-

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भारी वाहनों के लिए बाईपास रोड इसलिए बनाया गया था ताकि नगर के अंदर का ट्रैफिक सुरक्षित और सुचारू रह सके। लेकिन चंद रुपयों की बचत या लापरवाही के चलते, ये ट्रक चालक नगर के संकरे रास्तों से होकर गुजर रहे हैं। पैदल चलना भी दूभररू स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं इस भारी ट्रैफिक के कारण हमेशा खौफ के साए में रहते हैं। सड़कों की हालत जर्जररू क्षमता से अधिक भारी 12-चक्का ट्रकों के बार-बार गुजरने से नगर की अंदरूनी सड़कें समय से पहले दम तोड़ रही हैं। घंटों का जामरू मुख्य चौराहों पर जब ये बड़े ट्रक फंसते हैं, तो पीछे वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं भी इस



जाम का शिकार हो रही हैं।

#### कुंभकर्णी नींद में सोया नगर परिषद प्रशासन-

इस पूरी तबाही पर गुन्नौर नगर परिषद ने रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है। जनता का आरोप है कि नगर परिषद और जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे से ये प्रतिबंधित ट्रक गुजर रहे हैं, लेकिन कोई भी कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? नगर परिषद की इस श्मौन स्वीकृतिश ने व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

#### जनता में भारी आक्रोश, आंदोलन की सुगबुगाहट-

नगर की जनता का सब्र अब जवाब दे रहा है। सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों तक, प्रशासन के खिलाफ तीखी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का साफ कहना है कि अगर जल्द ही नगर के अंदर 10-चक्का और 12-चक्का ट्रकों की नो-एंट्री कड़ाई से लागू नहीं की गई, तो जनता सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी। अब देखना यह है कि इस गंभीर खबर के बाद क्या गुन्नौर प्रशासन की नींद टूटती है, या फिर गुन्नौर की जनता यूं ही जाम के झाम में पिसती रहेगी?

बाईपास रोड होने का फायदा ही क्या है जब सारे ट्रक शहर के अंदर ही आने हैं? धूल, प्रदूषण और ऊपर से ये जानलेवा जाम! हमारा व्यापार ठप हो रहा है और प्रशासन आंखें मूंदकर बैठा है।

**आक्रोशित स्थानीय निवासी व व्यापारी,**

## खबर संक्षेप

### बस स्टैंड से अपहृत 2 वर्षीय बच्ची को सिंगरौली पुलिस ने 36 घंटे में किया सकुशल बरामद

सिंगरौली

जिले के बैढ़न बस स्टैंड से अपहृत 2 वर्षीय मासूम मनीषा सिंह गोड़ को सिंगरौली पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर झारखंड से सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में आरोपी विनोद महतो निवासी लातेहार (झारखंड) को गिरफ्तार किया गया है।

15 मई की रात बस स्टैंड बैढ़न में सो रहे पिता अर्जुन सिंह की आंख खुली तो उनकी मासूम बेटी गायब थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक षियाज के.एम. के निर्देशन में 10 टीमों की विशेष एसआईटी गठित की गई, जिसमें करीब 150 पुलिसकर्मी लगाए गए।

पुलिस ने लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की जांच, साइबर तकनीकी विश्लेषण, बस-ऑटो चालकों से पूछताछ और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी का सुराग निकाला। जांच में पता चला कि आरोपी बच्ची को लेकर झारखंड भाग गया है।

पुलिस की विशेष टीमों ने झारखंड के लातेहार जिले में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया और मासूम बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

इस सफल कार्रवाई में थाना बैढ़न, विंध्यनगर, नवानगर, माड़ा, मोरवा, बरगवां सहित साइबर सेल और सीसीटीवी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिंगरौली पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र भर में सराहना हो रही है।

# बेखौफ अपराधी :पूर्व सरपंच को फिल्मी स्टाईल में घेर कर मारी गोली

छतरपुर।

**जिले थाना राजनगर के अंतर्गत विक्रमपुर के पूर्व सरपंच महूम सिंह उर्फ हल्के राजा बुंदेला को सोमवार की दोपहर करीब 1.30 बजे ग्राम इमलिया के पास चार पहिया वाहनों से आए अज्ञात बदमाशों ने फिल्मी स्टाईल में पूर्व सरपंच के वाहन को रोक लिया।**

और ताबड़तोड़ गोली चलाई जिससे पूर्व सरपंच महूम सिंह उर्फ हल्के राजा को पैर में गोली लग गई और गाड़ी के कांच टूट गए। घटना की जानकारी लगते ही महूम सिंह के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देकर घायल को जिला अस्पताल लेकर आए बताया जा रहा है कि घटना उस समय हुई जब महूम सिंह छतरपुर से कुछ सामान वापिस करके अपने चार पहिया वाहन से अपने गांव विक्रमपुर लौट रहे थे, तभी पहले से ही योजनाबद्व तरीके से बदमाशों ने दिनदहाड़े गोली बारी की घटना को अजांम दिया लगातार एक सप्ताह से जिले में हो रहें अपराधों को देखते हुए ऐसा लगता है कि अब अपराधी बेखौफ हो गए है उन्हें पुलिस का कोई भय नही है। क्योंकि फोर लाईन कंपनी के सुपरवाईजर का अपहरण और फिरौती लेना तथा लोधी कुईया में दिनदहाड़े नाबालिग लड़की के साथ छेडखानी, बस स्टैण्ड जैसे एरिया से एक नाबालिग आदिवासी युवती का अपहरण कर उसके साथ गैंगरेप की घटना को अजांम देना शामिल है। इस गोलीबारी की घटना के संबंध में अभी कोई सुराग तो नही लगा लेकिन यह बताया जा रहा है कि पुरानी चुनावी रंजिश को लेकर घटना हो सकती है। वहीं गंभीर हालत में हल्के राजा का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। घटना की जानकारी लगते ही राजनगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और वहां से साक्ष्य जुटाए तथा खाली कारतुस भी एकत्र किए इसके अलावा पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। शायद इन कैमरों से कुछ फुटेज पुलिस के हाथ लगे। लेकिन दिनदहाड़े हुई इस गोलीबारी की घटना ने राजनगर थाना क्षेत्र में सनसनी फैला दी है अब देखना यह है कि पुलिस इस गोलीकाण्ड के आरोपियों तक कितनी जल्दी पहुंची पाती है।

**इनका कहना है -**

राजनगर थाना के ग्राम विक्रमपुर के पूर्व सरपंच को गोली मारी गई है तीन गाडियों में 8 लोग पहुंचे जिन्होंने गोलिंया चलाई और बेसवाल के डण्डे से मारपीट भी की पूर्व सरपंच महूम सिंह को तीन गोलिंया लगी है। उन्हें ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। और पुलिस की टीमें राजनगर क्षेत्र में आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

**रजत सकलेचा**
एसपी छतरपुर

## प्राइवेट कॉलेजों को लाभ पहुंचाने के आरोप, विश्वविद्यालय प्रशासन पर उठे सवाल

छतरपुर।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में बीएड एवं अन्य वार्षिक परीक्षाओं के संचालन को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि प्राइवेट कॉलेजों के दबाव में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा मनमाने निर्णय लिए जा रहे हैं, जिससे शासन पर आर्थिक भार बढऩे के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार, परीक्षा कार्य अधिक होने का हवाला देकर करीब 45 सहायक प्राध्यापकों एवं प्राध्यापकों को रोका गया है, जिन्हें अतिरिक्त दिनों का भुगतान किया जाएगा। आरोप लगाया गया है कि इससे शासन पर एक करोड़ रुपए से अधिक का अतिरिक्त भार पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर सेकंड सेमेस्टर का पाठ्यक्रम पूर्ण कराए बिना ही विश्वविद्यालय द्वारा विषय विशेषज्ञों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं और उनकी जगह प्राइवेट कॉलेजों के शिक्षकों को परीक्षा ड्यूटी में लगाया गया है। आरोपकर्ताओं का कहना है कि यह व्यवस्था निजी कॉलेजों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है, ताकि परीक्षा परिणामों में मनमाफिक बदलाव किए जा सकें। यह भी आरोप है कि विश्वविद्यालय द्वारा रोके गए सहायक प्राध्यापकों अथवा नियमित कर्मचारियों को परीक्षा ड्यूटी में शामिल नहीं किया जा रहा, जबकि कई ऐसे लोगों से परीक्षा संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं जो आवश्यक योग्यता तक पूरी नहीं करते। वहीं प्रवेश प्रक्रिया को लेकर भी छात्रों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। विभिन्न विषयों में प्रवेश के लिए छात्र विश्वविद्यालय परिसर में भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए कोई प्राध्यापक उपलब्ध नहीं रहता। शासन स्तर पर छात्रों की समस्याओं के समाधान हेतु समिति गठित करने के स्पष्ट निर्देश होने के बावजूद विश्वविद्यालय में केवल कंप्यूटर ऑपरेटरों के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है, जिससे तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं और विद्यार्थी परेशान हो रहे हैं।

इसके अलावा कुलसचिव पर अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने के आरोप भी लगाए गए हैं। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहा, जिससे छात्र-छात्राओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

# युवती ने एक वर्षीय बच्चे को गोद में लेकर कुएं में लगाई छलांग

बकस्वाहा।

**बकस्वाहा थाना क्षेत्र के शेखसेमरा गांव के पास स्थित एक कुएं में एक युवती ने अपने एक वर्षीय मासूम बेटे को गोद में लेकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान गणेशपुरा गांव निवासी सीमा यादव (25) के रूप में हुई है।**

पुलिस के अनुसार, सीमा यादव अपने पति बृजकुमार यादव की पत्नी थीं। शुक्रवार को अज्ञात कारणों से परेशान सीमा ने अपने बेटे अनिकेत यादव (1 वर्ष) को लेकर कुएं में छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने यह दर्दनाक मंजर देखा तो उनकी आंखें नम हो गईं। ग्रामीणों ने तुरंत नैनागिर चौकी पुलिस को सूचना दी।

**पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कुएं से मां-बेटे के शव निकालकर**

पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कुएं से मां-बेटे के शव निकालकर बकस्वाहा लाई गई। नैनागिर चौकी पुलिस ने इस मामले में मर्ग दर्ज कर लिया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

परिवार और ग्रामीणों ने बताया कि सीमा हाल ही में किसी बात को लेकर काफी परेशान थी, लेकिन आत्महत्या के पीछे का कोई स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

# रिश्ते के चाचा संग लापता हुई युवती, परिजनों ने पुलिस पर लगाए दबाव और पैसों की मांग के आरोप

**छतरपुर।** जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत अक्टोंहा चौकी के ग्राम गिलौहां से एक युवती के लापता होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। युवती के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। वहीं युवती सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंची और माता-पिता से मिले बिना महिला थाने में अपने बयान दर्ज कराए।

जानकारी के अनुसार ग्राम गिलौहां निवासी मोहन सिंह यादव ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी प्रतिमा यादव 2 अप्रैल की रात अचानक घर से लापता हो गई थी। बाद में परिवार को जानकारी मिली कि युवती रिश्ते के चाचा धर्मेन्द्र यादव निवासी हंसपुरा के साथ चली गई है।

परिजनों का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। परिवार का कहना है कि अक्टोंहा चौकी में पदस्थ एक पुलिसकर्मी द्वारा उन पर 181 शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। साथ ही पुलिस पर पैसों की मांग करने के भी आरोप लगाए गए हैं।

पीड़ित परिवार के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि उनकी बेटी नौगांव में देखी गई है

और बाद में उसके एसपी कार्यालय पहुंचने की जानकारी भी सामने आई। इसके बाद परिवार के सदस्य भी एसपी कार्यालय पहुंचे और आवेदन सौंपकर युवती की सुरक्षित बरामदगी तथा मामले में उचित कार्रवाई की मांग की।

बताया जा रहा है कि जब परिवार ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई तो पुलिस की छानबीन के दौरान नवविवाहित जोड़े द्वारा सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी जारी किए गए। विवाह के बाद युवती अपने पति के साथ एसपी कार्यालय पहुंची, जहां लड़की के माता-पिता उससे मिलने की मिन्नतें करते रहे। इसके बाद थाना प्रभारी युवती को बयान दर्ज कराने के लिए महिला थाना ले गईं।

**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सामने एक बड़ी मांग रखी।**

# विमानों के शोर और कंपन से खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिरों को खतरा

**खजुराहो।** विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो के ऐतिहासिक और प्राचीन मंदिरों पर भविष्य में एक बड़ा संकट मंडरा सकता है। यह चिंता भारत सरकार के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया (एडवोकेट) सुयश मोहन गुरु ने जताई है। खजुराहो के एक स्थानीय होटल में आयोजित अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत की संगठनात्मक बैठक के दौरान उन्होंने इस गंभीर विषय को प्रमुखता से उठाया। इस बैठक में महाकौशल प्रांत के 28 जिलों से आए सैकड़ों अधिवक्ता साथियों और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ सामाजिक और न्यायिक मुद्दों पर गहन मंथन किया गया।

### 20 साल बाद दिखेगा विमानों की आवाज का घातक असर

बैठक को संबोधित करते हुए डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु ने कहा कि खजुराहो की अमूल्य धरोहरों और मंदिरों के ठीक ऊपर से गुजरने वाले विमानों की तेज आवाज और उनका ध्वनि कंपन इन प्राचीन संरचनाओं के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकता है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि इस कंपन का नुकसान शायद अभी तुरंत दिखाई न दे, लेकिन आगामी 20 वर्षों में इसके कारण इन ऐतिहासिक मंदिरों की संवेदनशीलता और उनकी मजबूत संरचना को अपूरणीय क्षति पहुँच सकती है।

### खजुराहो में स्वतंत्र पुरातत्व शोध केंद्र बनाने की मांग

स्मारकों की सुरक्षा के साथ-साथ सुयश मोहन गुरु ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सामने एक बड़ी मांग रखी। उन्होंने कहा कि पुरातत्व विभाग को खजुराहो में एक स्वतंत्र और बड़ा शोध केंद्र स्थापित करना चाहिए। उनके अनुसार, प्राचीन इतिहास, वास्तुकला और संरक्षण के दृष्टिकोण से खजुराहो तथा उसके आसपास का पूरा क्षेत्र देश के सबसे उपयुक्त और समृद्ध स्थानों में से एक है। यहाँ शोध केंद्र बनने से इन धरोहरों को सहेजने में वैज्ञानिक मदद मिलेगी।

### हाईकोर्ट में दायर करेंगे जनहित याचिका

डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ने स्पष्ट किया कि विश्व धरोहर खजुराहो के प्राचीन मंदिरों को विमानों के इस अदृश्य खतरे से बचाने और यहाँ एएसआई का शोध केंद्र खुलवाने के लिए वे जल्द ही न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर करेंगे। इसके साथ ही वे केंद्र और राज्य सरकार से भी नीतिगत स्तर पर मांग करेंगे कि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि हमारी इस वैश्विक सांस्कृतिक विरासत को हमेशा के लिए सुरक्षित और संरक्षित किया जा सके।

**कुशवाहा समाज ने एसपी ऑफिस पहुंचकर निष्पक्ष कार्रवाई की उठाई मांग**

# कूलर सुधारने के विवाद में चलीं लाठी-डंडे, दो दर्जन घायल

**छतरपुर।** जिले के सटई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुवयाई में कूलर सुधारने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में दोनों पक्षों के करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। मामले को लेकर कुशवाहा समाज के लोग पीड़ित परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। जानकारी के अनुसार जगदीश कुशवाहा गांव में कूलर और पंखा रिपेयरिंग का कार्य करता है। गांव के ही नरेंद्र सिंह अपना कूलर सुधारने के लिए उसके पास छोड़ गए थे। बताया गया है कि पहले किए गए रिपेयरिंग कार्य के करीब एक हजार रुपये बकाया थे। इसी बात को लेकर जगदीश ने पुराना भुगतान होने के बाद ही कूलर सुधारने की बात कही।

आरोप है कि इसके बाद नरेंद्र सिंह अपने साथियों के साथ मनोज के घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। मारपीट में दोनों ओर से एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों का उपचार स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया।सटई थाना पुलिस ने मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं 191(2), 191(3), 190, 296(बी), 115(2), 118(1) और 351(3) के तहत बिट्टू सिंह,

नरेंद्र सिंह, लोकेंद्र सिंह, जन्टू सिंह, पिंकू राजा, राव साहब, जस्सू राजा, राहुल राजा, सत्यम राजा, बंटी राजा और शनि राजा सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष पर भी प्रकरण कायम किया गया है। इधर कुशवाहा समाज के जिला अध्यक्ष मनोज कुशवाहा समाजजनों और पीड़ित परिवार के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा घटना के अनुरूप गंभीर धाराएं नहीं लगाई गई हैं। समाजजनों ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल सटई पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

## नीट परीक्षा में सुधार को लेकर एनएसयूआई ने कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

**छतरपुर।** भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के आईटी सेल जिला अध्यक्ष अश्वनी मिश्रा के नेतृत्व में छतरपुर के छात्रों और जागरूक नागरिकों ने जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन देश के प्रधानमंत्री के नाम संबोधित है, जिसमें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में व्यापक सुधार करने और छात्र हितों की रक्षा करने की मांग की गई है।एनएसयूआई आईटी सेल के जिलाध्यक्ष अश्विनी मिश्रा ने बताया कि नीट परीक्षा देश के लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती है, इसलिए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। संगठन ने परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की धांधली और अनियमितताओं को रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की मांग उठाई है। इसके साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्रों के बीच के अंतर को कम करने के लिए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न में स्पष्टता एवं समानता लाने का आग्रह किया गया है।छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के उद्देश्य से परीक्षा परिणाम, उत्तर कुंजी और काउंसलिंग प्रक्रिया को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर पूरी करने की बात भी ज्ञापन में कही गई है। इसके अलावा, ज्ञापन के माध्यम से नीट-यूजी पेपर लीक मामले की उच्च स्तरीय जाँच करवाने तथा इसमें शामिल शिक्षा माफिया और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के दोषी अधिकारियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कुलदीप, गौरव, ईशान, राम प्रकाश, भागचंद यादव सहित कई अन्य छात्र और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# विंध्याचल वॉरियर्स ने रोमांचक फाइनल में VPL-2026 ट्रॉफी जीती

एनटीपीसी विंध्याचल में आयोजित VPL-2026 (विंध्याचल प्रीमियर लीग) एवं जूनियर VPL-2026 टूर्नामेंट का समापन अत्यंत उत्साह के साथ हुआ। दो सप्ताह तक चले इस क्रिकेट महोत्सव में 10 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान रोमांचक मुकाबले, जोशीले प्रदर्शन तथा कर्मचारियों, सहयोगियों एवं उनके परिवारों का भरपूर समर्थन देखने को मिला।

**सिंगरौली।** **VPL**-2026 का भव्य फाइनल बेहद रोमांचक रहा, जिसमें विंध्याचल वॉरियर्स ने विंध्याचल स्ट्राइकर्स को अंतिम ओवर में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। 84 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स टीम ने शुरुआती झटकों के बाद शानदार वापसी की और अंतिम दो गेंदों पर लगातार दो चौके लगाकर जीत हासिल की। जूनियर **VPL**-2026 में विंध्याचल टाइटंस विजेता बने, जबकि रॉयल चैलेंजर विंध्याचल उपविजेता रहे।

पूरे टूर्नामेंट के आँकड़े भी बेहद शानदार रहे। कुल 23 मैचों और 44 पारियों में 3597 रन बने, जिनमें 275 चौके, 157 छक्के और 220 विकेट शामिल रहे। प्रतियोगिता में 6 अर्धशतक, 13 पचास से अधिक रनों की साझेदारियाँ तथा कई बेहतरीन फील्डिंग प्रदर्शन देखने को मिले, जिससे यह टूर्नामेंट यादगार बन गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजीब कुमार साहा, परियोजना प्रमुख (विंध्याचल) उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), श्री एस.के. सिन्हा, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एवं एफएम) एवं अध्यक्ष (स्पोर्ट्स काउंसिल), तथा श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) भी मौजूद रहीं। सभी गणमान्य अतिथियों ने खिलाड़ियों, अधिकारियों, आयोजन समिति, स्पोर्ट्स काउंसिल, समर्थकों और अभिभावकों को **VPL**-2026 एवं जूनियर **VPL**-2026 को सफल बनाने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

## खबर संक्षेप

### ई आफिस में रीवा संभाग लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर

**रीवा ।** प्रशासनिक नवाचार के तहत ई आफिस व्यवस्था लागू की गई है। अब कार्यालयों के अंदर तथा अन्य कार्यालयों में फाइलों का संचालन ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। ई आफिस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करके रीवा संभाग में संभागीय रैंकिंग में अक्टूबर माह से लगातार प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि रीवा संभाग में कुल 20525 फाइलें ई आफिस में क्रिएट की गईं तथा 78493 फाइलों का मूवमेंट हुआ। प्रदेश में दूसरे स्थान पर नर्मदापुरम संभाग है, जिसमें 6327 फाइलों का क्रिएशन तथा 51364 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। तीसरे स्थान पर ग्वालियर संभाग है। इसमें 3323 फाइलों का क्रिएशन तथा 36306 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। कमिश्नर ने बताया कि प्रदेश स्तर में संभाग और जिलों की सामूहिक रैंकिंग में सभी जिले और संभाग शामिल किए गए हैं। इनकी कुल संख्या 65 है। इस रैंकिंग में रीवा जिला 14वें स्थान पर है। रीवा जिले में 8833 फाइलें क्रिएट हुई हैं तथा 59167 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। रैंकिंग में सिंगरौली जिला 40वें, मऊगंज जिला 51वें, सतना जिला 46वें, सीधी जिला 43वें तथा मैहर जिला 49वें स्थान पर है। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स को ई आफिस प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने तथा सभी जिला कार्यालयों में इसे दृढ़ता से लागू कराने के निर्देश दिए हैं। ई आफिस के माध्यम से कम श्रम और कम समय में फाइलों का मूवमेंट और निराकरण हो रहा है। यह सुशासन को मजबूत करने के लिए सराहनीय पहल है।

### रायपुर कर्चुलियान में वृक्षारोपण से हुआ ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ

**रीवा ।** जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी योजना के तहत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान 18 मई से 25 मई तक चलाया जायेगा। जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में अभियान के नोडल अधिकारी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप दुबे ने वृक्षारोपण करके अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री दुबे ने कहा कि अभियान के तहत प्रत्येक गांव में अनुसूचित जनजातीय के हितग्राहियों का सर्वे किया जायेगा। अनुसूचित जनजातीय के सभी पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभांवित किया जायेगा। जनजातीय परिवारों को जागरूक करने के लिए भी अभियान के दौरान विशेष प्रयास किये जायेंगे। अभियान के दौरान कृषि, उद्यानिकी, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, पीएचई विभाग, विद्युत मंडल, खाद विभाग तथा अन्य विभागों की योजनाओं से अनुसूचित जनजातीय परिवारों को लाभांवित किया जायेगा। सभी खण्ड स्तरीय अधिकारी विभागीय योजनाओं से पात्र हितग्राहियों का चयन करके उन्हें योजनाओं से लाभांवित करें। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार शारदा प्रसाद प्रजापति, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जीएम श्रीवास्तव, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक पाण्डेय तथा अन्य अधिकारी एवं स्वसहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे।

### मनगवां में नाली निर्माण की लापरवाही बनी जानलेवा, गड्ढे में गिरा 3 वर्षीय मासूम, हालत गंभीरतीन माह से अधूरा पड़ा निर्माण कार्य, दूषित पानी और अव्यवस्था से लोग परेशान

**रीवा।** जिले के मनगवां नगर परिषद क्षेत्र में नाली निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक-15 स्थित पटेल कॉलोनी में अधूरे नाली निर्माण कार्य के कारण एक तीन वर्षीय मासूम गंभीर हादसे का शिकार हो गया। मासूम खेलते समय निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।जानकारी के अनुसार, पटेल कॉलोनी में करीब तीन माह पूर्व नाली निर्माण कार्य शुरू किया गया था।

# बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट पर अनाधिकृत रूप से जारी है निर्माण, एमआईसी सदस्य कलेक्टर को सौंप चुके हैं ज्ञापन

**नहीं होती कार्रवाई तत्कालीन एसडीएम ने कराया था सर्वे, 40 एकड़ में पाया गया था अवैध निर्माण**

रीवा।

बरसात के दिनों में बीहर नदी में जलभराव की वजह से शहर के कई हिस्सों में बाढ़ की समस्या निर्मित होती है। इसकी प्रमुख वजह नदी के किनारे होने वाले अवैध निर्माण को माना जाता है। इन दिनों फिर से तेजी के साथ कई निर्माण चल रहे हैं। इसकी जानकारी प्रशासन को भी है लेकिन किसी तरह की कार्रवाई नहीं हो रही जिसकी वजह से नदी के दोनों हिस्सों में कब्जा तेजी से किया जा रहा है। बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट पर निर्माण का यह सिलसिला बीते कई वर्षों से चल रहा है। बरसात के दिनों में पानी का बहाव ठीक से नहीं होनें की वजह से वह शहर में भरता है। पूर्व में जब बाढ़ आई तो कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम ने सर्वे कर शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण को मिलाकर करीब 40 एकड़ हिस्से में बीहर किनारे अवैध निर्माण पाया था। इस रिपोर्ट पर अब तक कोई कार्यवही नही हुई। बताया जा रहा है कि शहर के कई रसूकदार लोगों ने कब्जा जमा रखा है। किसी ने आवासीय कालोनी तो किसर ने व्यावसायिक भवन बनाए है। कई लोगों के

फार्म हाउस भी बने हुए है, आवासीय कालोनी बना ली तो किसी इस पर कार्रवाई से प्रशासन अपने ने व्यवसायिक भवन बनाए हैं। कई कदम पीछे खींच रहा है। जिसके चलते लगातार सवाल भी उठ रहे हैं। नगर निगम अपने क्षेत्र में भी कारवाई नहीं कर पा रहा है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में एसडीएम को कार्रवाई करना है लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता से अवैध निर्माण बढ़ता जा रहा है।अब तक नहीं हुई एफआईआरकुछ दिन पहले ही कलेक्टर ने बिहर नदी के किनारे अवैध निर्माण के चलते कार्रवाई का निर्देश दिया है। जिसमें नदी किनारे भूमि का चिन्हांकन और कब्जा धारियों पर कार्रवाई के निर्देश शामिल हैं। कलेक्टर ने शांति दिला आवासीय कॉलोनी के संचालक और शाही रिवव्यू के संचालक के विरूद्ध एफआईआर करने का निर्देश दिया था। इस पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई। वही एसडीएम अनुराग तिवारी का कहना है कि कलेक्टर के इस आदेश पर कमिश्नरी से स्थगन मिल गया है. जिसके चलते प्रक्रिया रुकी हुई है।ग्रीन बेल्ट में विवाह घर का निर्माणबीहर नदी किनारे अवैध निर्माण को लेकर महापौर ने एक पत्र निगम आयुक्त को लिखा है। जिसमें उन्होंने उल्लेख किया है कि सामाजिक कार्यकर्ता बीके माला की और से आवेदन दिया गया है कि वार्ड छह में नदी किनारे करही में विवाह का निर्माण कराया जा रहा है। एनजीटी के नियमों के विपरीत किए जा रहे। इस कार्य को रोकने के लिए आयुक्त से कहा है साथ ही कहा है कि नदी के ग्रीन बेल्ट कोने के लिए दो कदम भी उठाए जाएं।एमआईसी मेंबर सौंप चुके हैं ज्ञापनगौरतलब है कि मेयर इन काउंसिल के निर्माण प्रभारी धनेन्द्र सिंह बघेल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप चुके है। जिसमें कहा है कि बाहर नदी के किनारे 50 मीटर का ग्रीन बेल्ट निर्धारित है। इसके दोनों हिस्सों में अवैध निर्माण किया जा रहा है। इसके पहले भी कॉलोनी एवं अन्य निर्माण हो चुके है, जिससे पानी का बहाव रुकता है। इन दिनों फिर निर्माण तेजी से चल रहा है। नदी किनारे आलीशान विवाह घर और कॉटेज बनाए जा रहे है।

# जनसमस्याओं का मौके पर निराकरण करने कलेक्टर ने लगाई ग्राम जन चौपाल कलेक्ट्रेट से 42 विभागीय अधिकारियों के साथ टिकुरी गांव पहुंचे कलेक्टर

**सीमांकन प्रकरण में विलंब पर जताई नाराजगी कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिये निर्देशआंगनवाड़ी सुपरवाइजर को निलंबित करने के निर्देश**

**रीवा ।** ग्रामीण जनों की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाने के मुख्यमंत्री जी के संकल्प को पूरा करने कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने गंगेव जनपद पंचायत अन्तर्गत टिकुरी गांव में ग्राम चौपाल लगाई तथा अधिकारियों को तत्काल निराकरण के दिये निर्देश। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी नान एसी बस में कलेक्टर कार्यालय से 42 विभागीय अधिकारियों के साथ टिकुरी के लिये रवाना हुए। टिकुरी ग्राम पंचायत प्रांगण में आयोजित ग्राम चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्यायें सुनीं। राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान सीमांकन के प्रकरणों में विलंब होने पर नायब तहसीलदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र नियमित न खुलने की शिकायत पर सुपरवाइजर को निलंबित करने के निर्देश दिये तथा सीडीपीओ को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जन चौपाल में ग्रामीणजनों के रास्ता विवाद को तत्काल निपटाने तथा सड़क चौड़ीकरण करने के निर्देश दिये ताकि ग्रामीणजन सुविधाजनक ढंग से आ जा सकें। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम टिकुरी में शिविर लगाकर विभागीय अधिकारी समस्याओं का निराकरण करायें। ग्रामीण विकास योजना में प्रधानमंत्री आवास के दो हितग्राहियों द्वारा आवास कार्य न प्रारंभ करने पर कार्य निरस्त करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि मैं आप के लिये ही आया हूँ। यह एक माह में मेरा तीसरा ग्रामीण दौरा है। मुख्यमंत्री जी का संकल्प है कि गांव के लोगों को उनके गांव में ही योजनाओं का लाभ मिले। उन्हें गांव से बाहर न जाना पड़े। अधिकारियों का भी दायित्व है कि वह अपने विभाग की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दे तथा अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। कलेक्टर ने कहा कि इस तरह ग्रामीण चौपाल का आयोजन लगातार होगा। उन्होंने ग्रामीणजनों से अपेक्षा की कि फार्मर रजिस्ट्री करायें और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीण नल जल योजना के सुचारू संचालन न होने की शिकायत पर पीएचई के उपयंत्री तथा रोजगार सहायक को नोटिस देने के निर्देश दिये। उन्होंने सरपंच को तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि नल जल योजना प्रारंभ करायें। ग्रामीणजनों से एक स्वर में कहा कि हम पानी का पैसा देंगे। कलेक्टर ने विद्युत मंडल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि घरों में मीटर लगाने की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ करायें। उन्होंने जयप्रकाश रावत के टंटा मामा योजना के तहत ऋण स्वीकृत की कार्यवाही कराने की कार्यवाही विभागीय अधिकारियों को दिये। विभागीय अधिकारियों ने अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि अब इस गांव में किसी भी प्रकार की शिकायत जनसुनवाई में नहीं आये अन्यथा जिला स्तरीय अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। ग्राम चौपाल में सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, जिला स्तरीय अधिकारी जनपद सीईओ प्राची चतुर्वेदी एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

### नियम बिरूद्ध प्रतिनियुक्ति पर पुनः पदस्थ किए गए राजेश कोल, कांग्रेस नेता नृपेन्द्र सिंह पिन्टू ने फिर से की मुख्य सचिव एंव आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय को शिकायत

**रीवा।** राजेश कुमार कोल जो की सहायक ग्रेड 2 के पद पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्रह्मगढ़ जिला सीधी में पदस्थ थे दिनांक 26.9.2011 को इनको प्रतिनियुक्ति पर विन्ध्य विकास प्राधिकरण में पदस्थ किया गया था जहां पर पदोन्नति उपरान्त एक ही आदेश में भारमुक्त करते हुए लेखापाल के पद पर विन्ध्य विकास प्राधिकरण में ही पुनः पदस्थ कर दिया गया था उक्त आदेश भी नियम विरूद्ध तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी विन्ध्य विकास प्राधिकरण द्वारा जारी किया गया था तभी से लगातार राजेश कुमार कोल विन्ध्य विकास प्राधिकरण फिर उसके बाद योजना आर्थिक एंव सांख्यिकी कार्यालय रीवा संभाग में लगातार कार्यरत थे विन्ध्य विकास प्राधिकरण और योजना आर्थिक एंव सांख्यिकी कार्यालय में इनके द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया गया जिले के बरिष्ठ अधिकारी से साठगांठ के कारण शासन के आदेश के बाद भी इनको मूल विभाग शिक्षा विभाग में वापस नही किया गया जबकि अन्य कर्मचारियों को वापस कर दिया गया था यहां तक की इनको 10 माह का वेतन भी नही मिला था फिर भी संभागीय कार्यालय योजना आर्थिक एंव सांख्यिकीय विभाग में कार्य करते रहे। शासन का आदेश और नियम इन पर लागू नही होते है। मुख्य सचिव म. प्र. शासन भोपाल से शिकायत करने के बाद इनको दो- तीन दिन के लिए भारमुक्त कर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सीधी में पदस्थ किया गया इसके बाद उपायुक्त राजस्व रीवा संभाग रीवा के आदेश पर दिनांक 6.4.26 को फिर से प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए आयुक्त कार्यालय रीवा संभाग में पदस्थ कर दिया गया है। एक कर्मचारी से जिला प्रशासन का कितना लगाव है कि शासन के आदेश नियम कानून इसके आगे बौने साबित हो रहें है।नियम विरूद्ध प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत शिक्षा विभाग के कर्मचारी राजेश कुमार कोल की शिकायत पुनः मुख्य सचिव म.प्र. शासन एंव आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय से की गई है।

# ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत, पिता ने कूदकर बचाई जान, चोरहटा थाना क्षेत्र के दादर गांव की घटना

**रीवा।** जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दादर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर पलटने से 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर चला रहे उसके पिता ने समय रहते वाहन से छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम दादर निवासी मोहम्मद अबरार अपने पुत्र मोहम्मद इमाम (24) के साथ ट्रैक्टर से कहीं जा रहे थे। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर पर पिता वाहन चला रहे थे, जबकि उनका पुत्र साथ बैठा हुआ था। इसी दौरान रास्ते में अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और देखते ही देखते पलट गया। हादसे के दौरान चालक मोहम्मद अबरार ने स्थिति को भांपते हुए ट्रैक्टर से छलांग लगा दी, जिससे वह गंभीर दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। हालांकि ट्रैक्टर पर बैठा उनका पुत्र मोहम्मद इमाम वाहन के नीचे दब गया। घटना इतनी गंभीर थी कि ट्रैक्टर के नीचे दबने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और युवक को बाहर निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घटना की सूचना चोरहटा पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं घटना के संबंध में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

# जिले के 280 जनजातीय बहुल गांव में 25 मई तक चलेगा विशेष अभियान, कलेक्टर ने आदि कर्मयोगी अभियान की कार्यशाला का किया शुभारंभ

**रीवा ।** कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को शासन की सभी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ देने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान शुरू किया गया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनजातीय कल्याण के संकल्प को यह अभियान पूरा करायेगा अभियान के तहत 18 मई से 25 मई तक जिले के 280 जनजातीय बहुल गांवों में विशेष अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों का सर्वे किया जा रहा है। अभियान में चिन्हित सभी हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से पात्रतानुसार लाभांवित किया जायेगा। यह अभियान जनजातीय क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण अभियान ह। आदि कर्मयोगी अभियान में प्रदेश के बैतूल जिले को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। कलेक्टर ने कहा कि अभियान से जुड़े सभी अधिकारी विभाग के मैदानी अमले के सहयोग से पात्र अनुसूचित जनजाति हितग्राहियों का चयन कर लें। इन हितग्राहियों को तय समय सीमा में योजनाओं का लाभ दें। इन हितग्राहियों को वनाधिकार पट्टे, आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड तथा स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दें। जारी प्रमाण पत्र, पेंशन, स्कूलों तथा छात्रावासों के प्रवेश, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ तथा पेयजल योजना का लाभ भी सभी को देना है। अभियान के दौरान जनजातीय परिवारों के घरों में बिजली के कनेक्शन करायें। कार्यशाला में कलेक्टर ने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास भी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ देने के लिए समन्वित प्रयास करें। अभियान के बाद इन 280 गांव में जनजातीय परिवारों को योजनाओं का लाभ का सेचुरेशन होना चाहिए। इन गांवों में आदि सेवा केन्द्र का भलीभांति संचालन करायें। कार्यशाला में जिला संयोजक जनजातीय कार्य केके पाण्डेय ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सभी 280 गांव की कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। हितग्राहियों को पात्रता के अनुसार विभिन्न योजनाओं से लगातार लाभांवित किया जा रहा है। योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यशाला में पोषण वाटिका निर्माण, आंगनवाड़ी केन्द्र से पोषण आहार का वितरण, होमस्टे निर्माण तथा पेयजल व्यवस्था के संबंध में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गयी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी अन्य संबंधित अधिकारी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# सीतापुर पंचायत में बड़ा फर्जीवाड़ा, साकेत परिवार की आईडी में दर्ज किया गया 'गुप्ता' परिवार का सदस्य

**मऊगंज।** जिले की ग्राम पंचायत सीतापुर में फर्जीवाड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पंचायत के रोजगार सहायक सुरेंद्र पटेल द्वारा सरकारी दस्तावेजों में एक ऐसी गड़बड़ी की गई है जिसने पूरे प्रशासनिक गलियारे में हड़कंप मचा दिया है। प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार, ग्राम पंचायत सीतापुर में एक अनुसूचित जाति (SC) के साकेत परिवार की समग्र आईडी में अन्य पिछड़ा वर्ग (general) के 'गुप्ता' सरनेम वाले सदस्य का नाम जोड़ दिया गया है। इस फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब परिवार की समग्र आईडी संख्या 20916441 की पड़ताल की गई। इस आईडी के मुखिया अंगद हैं, जिसमें उर्मिला साकेत और अमरेश कुमार साकेत के साथ तीसरे सदस्य के रूप में शुभम गुप्ता (आयु 4 वर्ष) का नाम दर्ज मिला। रिकॉर्ड के अनुसार, इस सदस्य का पंजीयन रोजगार सहायक सुरेंद्र कुमार पटेल द्वारा 10 अक्टूबर 2022 को किया गया था। एक साकेत परिवार के

आधिकारिक कार्ड में गुप्ता सरनेम के बच्चे का नाम जुड़ना रोजगार सहायक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इतना ही नहीं, रोजगार सहायक सुरेंद्र पटेल पर पूर्व में भी भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप लग चुके हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर एक महिला से 10,000 रुपये और मायके से ससुराल आईडी ट्रांसफर कराने के नाम पर एक अन्य हितग्राही से 2,200 रुपये की अवैध वसूली की गई है। इन मामलों में पुख्ता सबूत होने के बावजूद मऊगंज के संबंधित अधिकारियों द्वारा अब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। हैरानी की बात यह है कि मऊगंज कलेक्टर जहाँ एक ओर जिले को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, वहीं जमीनी स्तर पर तैनात कर्मचारी और उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारी शासन की योजनाओं और नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं। साकेत परिवार की आईडी में हुआ यह फर्जीवाड़ा साफ़ दर्शाता है कि अपात्रों को लाभ पहुँचाने या अन्य कारणों से सरकारी डेटा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अब देखना यह है कि इस गंभीर मामले के सुर्खियां पकड़ने के बाद उच्च अधिकारी रोजगार सहायक सुरेंद्र पटेल और लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

# NEET पेपर लीक और महंगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने निकाला मशाल जुलूस

**मऊगंज।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मऊगंज में NEET परीक्षा पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तथा आवश्यक वस्तुओं की महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मशाल जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया।जुलूस कांग्रेस कार्यालय से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए चाक मोड़ तक पहुंचा। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिलाल आदिवासी ने किया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई को लेकर विरोध जताया। वक्ताओं ने कहा कि NEET परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाओं से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, वहीं लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता परेशान है।इस अवसर पर पदमेश गौतम, नरेन्द्र सिंह, विश्वनाथ मिश्रा, बसंत मिश्रा, शेख मुख्तार, हिंछलाल पटेल, राजमणि पटेल, उमाकांत पटेल, धीरज सिंह विक्की, आशुतोष तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम में किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, NSUI, सेवादल तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी जनता के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी और युवाओं तथा आम नागरिकों की आवाज बुलंद करती रहेगी।